

एक नजर में

आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल के छात्र ने किया गौरवान्वित

नागदा। आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल के होनहार छात्र नेशनल चैंपियन सिल्वर मेडल प्राप्त विजेता वैभव गुप्ता के निवास पर पहुंचकर खंडेलवाल समाज के वरिष्ठ जन व नगर के अन्य नागरिकों द्वारा फूलों की माला व पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत सम्मान किया गया। खंडेलवाल समाज की तरफ से सुरेश खंडेलवाल, संजीव खंडेलवाल, रमेश गुप्ता एवं चेतन राव व समाज की महिला पुरुषों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गईं व वैभव गुप्ता भव्य स्वागत किया गया एवं अन्य लोगों के द्वारा जिसमें प्रकाश खंडेलवाल, नरेश बारिया एवं संजय चौहान ने भी वैभव गुप्ता को निरंतर आगे बढ़ने की, माता पिता का नाम ऐसे ही रोशन करने एवं आभार प्रकट किया। सभी लोगों के द्वारा आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल के टीचर व शिक्षिकाओं को भी हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की गई।

थाना प्रभारी ने छात्रों को पढ़ाया पर्यावरण संरक्षण का पाठ



उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में एससी प्रभारी डॉ. मधुबाला राठौर के संयोजन में एसएससीडी (सस्टेनेबल सोशल चेंज इवेंट्स) की एकटीवटी के अंतर्गत प्रदूषण की रोकथाम एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत हेतु जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया तथा उसके पश्चात प्रदूषण के संदेश को समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से मानव श्रृंखला भी बनाई गई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में देवास गेट थाने की थाना प्रभारी अनिला पाराशर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे न केवल स्वयं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहें, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने प्लास्टिक के कम उपयोग, स्वच्छता बनाए रखने, वाहनों के संयमित उपयोग एवं पीथरोपण जैसे सरल लेकिन प्रभावी कदमों को अपनाने पर विशेष जोर दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि एसएससीडी जैसे प्रयास छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता और भावना विकसित करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों एवं बड़ी संख्या में छात्रों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मधुबाला राठौर द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अंजना जायसवाल ने व्यक्त किया।

कांग्रेस ने किया डॉ. अंबेडकर का पुण्य स्मरण



उज्जैन। भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अंबेडकर की पुण्यतिथि शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में मनाई गई। इस अवसर शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि बाबा साहब ने अपने जीवन में राष्ट्र निर्माण में कई महत्वपूर्ण कार्य किए, उनके द्वारा किए गए कार्य को देशवासी आज भी याद करते हैं, हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे। संगठन महासचिव अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर बैरागी, पूर्व सांसद सत्यनारायण पंवार, नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय, हेमंत गोमे, सतीश मरमट, हरिशंकर मरमट, वीरेंद्र गोसर, अभिषेक शर्मा, सुनील काष्ठवाय, असलम लाला, देवव्रत यादव, रहीम लाला, छोटे लाल मंडली, श्याम जटिया, कृष्णा यादव, सोनिया ठाकुर, मदीना अली, सतीश टटवाल, मनीष गोमे, मुकेश चित्तौडिया, आत्माराम मालवीय, ललित मीणा, सुरेश वासनािक, अनुराग सिंह ठाकुर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिंधी संस्कारों पर आधारित अमा चर्चदी हुई कार्यक्रम आज

उज्जैन। प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित सिंधी संस्कारों पर भावपूर्ण कार्यक्रम अमा चर्चदी हुई (मां कहती थीं) आज 7 दिसंबर को शाम 5 बजे संतराम सिंधी कालोनी में स्थित सिंधी धर्मशाला में आयोजित होगा। संस्था सचिव कुमार किशन ने बताया कि सिंधी लोग विश्व की उस महानतम संस्कृति के संवाहक हैं जो संपूर्ण विश्व की एकमात्र ऐसी संस्कृति है जो पांचों तत्वों को वैदिक परंपरा अनुसार पूजती है। संपूर्ण भारतवर्ष में मनाए जाने वाले तीज-त्योहार और उनको मनाने की परंपरा सिंधी संस्कृति से ही आई है, किंतु वर्तमान समय में आप भौगोलिक व राजनैतिक परिवर्तन व पार्श्वव्य संस्कृति के दुष्प्रभाव के परिणाम स्वरूप स्वरूप हम हमारी संस्कृति को नई पीढ़ी में हस्तांतरित नहीं कर सके। जिससे लगातार संस्कृति का हास हुआ है। अमा चर्चदी हुई कार्यक्रम का उद्देश्य सिंधी संस्कारों, रीति रिवाज, कला व संस्कृति पर आधारित जानकारी रखने वालों को मंच प्रदान करना है, जिसमें 6 वर्ष से बड़े सभी उम्र के बच्चे व महिला पुरुष स्वयं अपने परिवारों के बुजुर्गों से सीख कर अपने भावों को मंच पर अभिव्यक्त कर सकते हैं इसमें सिंधी रीति-रिवाजों को महत्व सहित मंच पर बताना, बुजुर्गों के संस्मरण, समाज को प्रेरणा देता भाषण, सिंधी गीत, कविता, कहानी, एकल नृत्य, एकल अभिनय आदि को मंच पर प्रस्तुत करना है। इस कार्यक्रम में चयनित प्रतिभागों को 14 दिसंबर को होने वाले स्टेज शो में अवसर दिया जाएगा। संस्था पदाधिकारी चिमान दास लखानी, कुमार किशन, डॉ. पल्लवी किशन, डॉ. सुनील खत्री, राजकुमार परसवानी, एन डी लखानी, विजय भागचंदानी, पुष्पा कोटवानी, नरेंद्र सबानी, जी डी वाधवानी, डॉ. मीना वाधवानी, हर्षिता धनवानी, योगिता रोचवानी ने सभी संस्कृति प्रेमियों से कार्यक्रम में भाग लेने का आवाहन किया है। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः नि:शुल्क है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

उज्जैन। राष्ट्रीय शिक्षक संघतना की 278वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी डॉ. अंबेडकर चिन्तन के विविध आयाम और उनकी प्रसंगिकता विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार संविधान निर्माता के महा परिनिर्वाण दिवस पर व्यक्त किये। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने सम्बोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर सामाजिक न्याय के पुरोधे के रूप में जाने जाते हैं। भारत में सामाजिक न्याय की बात की जाय तो वो वर्षों पहले प्रारम्भ हो गई थी। कबीर, रविदास, चोखेमाला, ज्योतिबा फूले, सावित्री बाई फूले, रानाडे, बाबासाहेब अंबेडकर, संत गाडो आदि सभी ने समाज को एकरस बनाने का अथक प्रयास किया।

बाबा साहेब के संदेश को घर-घर पहुंचाने का लिया संकल्प

उज्जैन। कोठी पैलेस स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर अजाक्स जिला उज्जैन द्वारा पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर अजाक्स जिला उज्जैन द्वारा जिला अध्यक्ष डॉ. आरएल परमार के नेतृत्व में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहेब को नमन किया और उनके दिए गए समानता, न्याय व बंधुत्व के संदेश को स्मरण किया। मीडिया प्रभारी डीएल भीलवाड़ा ने बताया कि भारत के नागरिक स्वयं की सौभाग्यशाली मानते हैं कि बाबा साहेब ने देश को ऐसा संविधान दिया, जिसमें



सभी को मौलिक अधिकारों की गारंटी प्रदान की। इस दौरान अजाक्स के लोगों ने बाबा साहेब अमर रहें के नारों से पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि 6 दिसंबर 1956 को डॉ. भीमराव राम अंबेडकर का दिल्ली में निधन हुआ था। यह

दिवस प्रतिवर्ष देशभर में महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आज संगठन ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए उनके द्वारा दिए गए संविधान, समानता और सामाजिक न्याय के संदेश को घर-घर पहुंचाने का संकल्प

लिया है। वर्तमान समय में बाबा साहेब के विचारों और उनके मार्गदर्शन को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। सभी को संविधान के मूल अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना हमारा नैतिक दायित्व है, क्योंकि आज जो भी अधिकार, सम्मान और अवसर हमें प्राप्त हैं, वे बाबा

साहेब की दूरदृष्टि और संघर्ष की ही देन हैं। बाबा साहेब का सपना एक समतामूलक और शिक्षित समाज का निर्माण था, जिसे साकार करने के लिए हम सबको मिलकर आगे बढ़ना होगा। इस मौके पर प्रांतीय सचिव महेश विरोलिया, संभागाध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी, जिला कार्यावाहक अध्यक्ष दरियावसिंह

गहलोत, पूर्व संभागीय सचिव रमेशचंद्र सूर्यवंशी, बी एल सिंदल अविनाश गुजराती, राजेश सूर्यवंशी, प्रमोद मालवीय, कबीरपंथी, रणजीत सिंह, गिरधर मालवीय, किशोरीलाल सूर्यवंशी, मोहनलाल चौहान, सुरेश कुमार, जिनवाल, बाबूलाल एरवाल, आनंदीलाल सिसोदिया, स्वयं परमार, हेमंत कवाडिया, प्रहलाद मालवीय, व्ही एल राठौर, राहुल नेशनगरा, मानसिंह परमार, अशोककुमार मालवीय, राम सिंह परमार, गिरिराज भीष्ण, भीमसिंह मसानिया, डॉ. गणेश राठोड़, डॉ. मोहन निमोले, अजय बौड्ड, अरुण वाघेला, भवरलाल चौहान, डॉ. श्वेता वर्मा, धर्मदास गोयल आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



सफाई मित्रों का किया सम्मान, किट का वितरण

खाचरौद। जिले में सर्वाधिक 7 स्वच्छता मित्रों के साथ वाश ऑन व्हील्स अभियान का खाचरौद जनपद में विगत दिवस गांव बेड़छा में क्लस्टर बैठक में कलेक्टर रोशन सिंह और सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कुमट के द्वारा शुभारंभ किया गया। उक्त अवसर पर स्वच्छता मित्रों का माला पहनाकर कलेक्टर व सीईओ जिला पंचायत के द्वारा सम्मानित किया। इसी के साथ स्वच्छता मित्रों को हेलमेट, आई गॉगल्स, मास्क, हैंड ग्लॉब्स, जैकेट, टी शर्ट, बूट, इलेक्ट्रॉनिक वाशिंग प्रेशर मशीन, ब्रश, हार्पिक, एसिड, फिनाइल, ब्लॉचिंग पाउडर प्रदाय किए गए। प्रथम चरण में 7 स्वच्छता मित्र जनपद खाचरौद की 70 ग्राम पंचायत और 121 गांवों में घरेलू और संस्थागत सफाई कार्य करेंगे। द्वितीय चरण में शेष पंचायतों को कवर किया जाएगा। उक्त अवसर पर नागदा एसडीएम रंजना पाटीदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गिरिराज शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी गण उपस्थित थे।

जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड बाएफ लाइवलीहुड्स का कार्यालय प्रारंभ

नागदा। ग्रामीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (जेबी फार्मा) और बाएफ लाइवलीहुड्स मध्यप्रदेश द्वारा संचालित प्रोजेक्ट नर्मदा का परियोजना कार्यालय ग्राम बालसमुद्र में भव्य रूप से प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में जेबी फार्मा के जेसन डिस्सुजा ईन्वैपीपी ईन्वेस्टर रिलेशन्स, एम एण्ड ए और ईएसजी सस्टेनेबिलिटी मैनेजर कृष्णमूर्ति, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन एंड ईएसजी-उमाशंकर आर अय्यर, इन्वेस्टर रिलेशंस से निगद पराडकर तथा बाएफ लाइवलीहुड्स के कार्यक्रम प्रबंधक एवं मालवा-निमाड़ी रीजनल इंचार्ज जेएल पाटीदार तथा ग्राम पंचायत टेमला के सरपंच मुकेश चौहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया। प्रोजेक्ट नर्मदा ग्राम विकास की उम्मीदों को देने वाला नया आयाम: कार्यालय शुभारंभ उपरांत प्रोजेक्ट लीड बलवान सिंह चौहान और सामाजिक विशेषज्ञ सुनील ने कार्यालय में प्रदर्शित जल संरक्षण मॉडल, प्रस्तावित संरचनाओं, सामाजिक विकास गतिविधियों एवं कृषि सुधार की योजनाओं का विस्तार से प्रस्तुतीकरण दिया। जिसे अधिकारियों द्वारा विशेष सराहना मिली। जेबी फार्मा के दल ने कार्यालय की सुसज्जा, अनुशासन व टीम की कार्यशैली की प्रशंसा की। इस वर्ष प्रस्तावित संरचनाओं में से 06 का स्थलीय निरीक्षण ग्राम पंचायत के सरपंच के साथ किया तथा सभी संरचनाओं को वर्ष 2026 के प्रारंभ में ही पूर्ण करने हेतु अहम सुझाव दिये गये जिससे कि आने वाले समय में ग्रामीणों को सिंचाई की सुविधा, फसल उत्पादन में वृद्धि, नलकूप व कुओं का जलस्तर बढ़ाना, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देकर जल संरक्षण का स्थाई एवं सामुदायिक मॉडल विकसित होगा। इन संरचनाओं के निर्माण से ग्रामीणों को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा, जिससे ग्राम टेमला क्षेत्र आने वाले वर्षों में कृषि समृद्धि का मॉडल बन सकता है। ग्राम पंचायत के सरपंच मुकेश चौहान ने बताया कि प्रोजेक्ट की शुरुआत से ग्रामवासियों में उत्साह का विशेष माहौल दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों ने आश्चर्य व्यक्त किया कि वे संरचनाओं का नियमित निरीक्षण, गुणवत्ता की निगरानी तथा सही रखरखाव की जिम्मेदारी स्वयं निभाएंगे। यह सक्रिय भागीदारी दर्शाती है कि प्रोजेक्ट नर्मदा केवल एक विकास परियोजना नहीं, बल्कि ग्राम निर्माण की सामूहिक भावना का प्रतीक बनेगी।

अभा खटीक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया अभिनंदन

उज्जैन। अखिल भारतीय खटीक समाज ने समाज के सांसद (उज्जैन-अलोड) अनिल फिरोजिया को अखिल भारतीय खटीक समाज का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर समाज में उत्साह और हर्ष का माहौल है। रवि पुयल एवं राहुल सोलंकी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद अनिल फिरोजिया के उज्जैन आगमन पर समाजजनों ने आतिश बजाई कर और पुष्प माला डोल नगाड़ों से उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल फिरोजिया ने समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है। उसे वे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे।

ग्राम रोहालकला में मिट्टी स्वास्थ्य पर विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन

नागदा। स्वस्थ मिट्टी के बिना कृषि विकास की कल्पना संभव नहीं है। इसी संदेश को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से चंबल उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड की द्वारा विश्व मृदा दिवस अभियान के अंतर्गत ग्राम रोहालकला में एक भव्य फसल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में आसपास के गांवों के सैकड़ों किसान उत्साहपूर्वक शामिल हुए। संगोष्ठी का संचालन एचसी सिंह (डीजीएम-मार्केटिंग) ने किया। उन्होंने चंबल कंपनी के किसान हितैषी कार्यक्रमों, उन्नत

कृषि तकनीकों तथा खेत स्तर पर वैज्ञानिक खेती के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में अजय चौधरी सर (डीएमएम-उज्जैन) ने मृदा स्वास्थ्य, मिट्टी की गिरती गुणवत्ता के कारणों और मिट्टी सुधार के प्रभावी उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जैविक खादों के लाभ, संतुलित पोषण एवं रबी फसलों के प्रबंधन के बारे में भी मार्गदर्शन किया। उन्होंने न केवल किसानों को विभिन्न कृषि संबंधी सरकारी योजनाओं के बारे में बताया, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने के व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक तरीकों पर भी महत्वपूर्ण सुझाव

दिए। उन्होंने फसल विविधीकरण, लागत में कमी, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और बाजार से बेहतर जुड़ाव जैसे उपाय अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शंकर आंजना पटेल रहे। सत्र के दौरान किसानों ने विशेषज्ञों से कई प्रश्न पूछे, जिनका समाधान धैर्यपूर्वक एवं विस्तारपूर्वक किया गया। ग्राम के उन्नत किसान संदीप आंजना ने चंबल टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

पीएम रविन्द्र उमावि माकड़ौन में दो दिनी चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी लगाई

माकड़ौन। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, नई दिल्ली एवं राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल द्वारा पीएम रविन्द्र उमावि माकड़ौन में दो दिवसीय चलायमान, भ्रमणशील विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, इसकी वैज्ञानिक कार्यप्रणाली एवं सिद्धांतों से अवगत कराना था। वैज्ञानिक गतिविधियां एवं जानकारी

विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रदर्शनी में छात्रों को कक्षा-वार निम्न विषयों पर जानकारी दी गई। दैनिक जीवन की वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की

प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां, वीडियो प्रदर्शन एवं खगोल अवलोकन, प्रदर्शनी के दौरान छात्रों को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण, उसके संचालन तंत्र एवं इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वीडियो माध्यम से दिखाई गई। रात्रि के सत्र में टेलिस्कोप से ग्रह, नक्षत्र, तारे एवं राशियों का अवलोकन कराया गया, जिससे छात्रों में खगोल विज्ञान के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हुई। छात्रों ने प्रदर्शनी को अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय में इस प्रकार की प्रदर्शनी वर्ष में दो बार आयोजित किए जाने की मांग की। प्रदर्शनी को वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं, उनकी वैज्ञानिक संरचना एवं सिद्धांत, वस्तुओं के सदुपयोग की समझ, जादू नहीं, विज्ञान है विषय पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, विभिन्न तार्किक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां,